UNITED NATIONS
संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार दिवस

10 दिसम्बर 2021

हमारी दुनिया आज दोराहे पर खड़ी है। कोविड-19 महामारी, जलवायु संकट और हमारे जीवन के हर पहलू में डिजिटल टैक्नॉलॉजी के हस्तक्षेप ने मानवाधिकारों के लिये नए ख़तरे उत्पन्न कर दिए हैं।

बहिष्कार और भेदभाव का बोलबाला है। सार्वजनिक विमर्श का स्थान सिकुड़ता जा रहा है। दशकों में पहली बार, ग़रीबी और भुखमरी का दायरा बढ़ रहा है। लाखों बच्चे, शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित हो रहे हैं। असमानता बढ़ रही है। लेकिन हम दूसरा रास्ता चुन सकते हैं।

73 वर्ष पहले आज ही के दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का अनुमोदन किया था। इस सरल घोषणा में प्रतिपादित सिद्धान्त आज भी हर जगह, सर्वजन के लिये, नागरिक, आर्थिक, साँस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समेत सभी मानवाधिकार साकार करने की कुँजी हैं।

महामारी के बाद पुनर्बहाली को मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रता के विस्तार और विश्वास की पुनर्स्थापना के अवसर के रूप में देखना चाहिये। न्याय एवं क़ानूनों तथा संस्थाओं की निष्पक्षता में विश्वास पैदा होना चाहिये। यह भरोसा जागना चाहिये कि गरिमामय जीवन सब की पहुँच के भीतर है। यह आस्था जागृत होनी चाहिये कि लोगों की बात निष्पक्ष ढंग से सुनी जाएगी और उनकी शिकायतों का शान्तिपूर्वक निवारण होगा।

संयुक्त राष्ट्र, मानव परिवार के प्रत्येक सदस्य के अधिकारों का पक्षधर है। आज और प्रतिदिन. हम सभी के लिये न्याय, समानता, गरिमा एवं मानवाधिकारों के हित में काम करते रहेंगे.

मानवाधिकार दिवस पर शुभकामनाएँ।

***

55 Lodi Estate, New Delhi 110 003, India ☎ 91 (11) 2462 3439, 4653 2333, Fax: +91 (11) 2462 0293, unic.india@unic.org
http://in.one.un.org/ UnitedNationsIndia UNinIndia